झुंझुनूं में सात गांवों के 10 बूथों पर मतदान का पूर्ण बहिष्कार

ग्रामीणों ने यमुना के पानी की मांग को लेकर यह कदम उठाया

मतदान केन्द्र पर मतदान अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह से बैठे ही रहे, उन्होंने केवल अपना ही वोट डाला।

- **हमीनपुर, बनगोठड़ी कलां और ढक्करवाला गांव में तो एक भी वोट नहीं पड़ा। यहां मतदानकर्मियों ने ही वोट डालकर खाता खोला।**
- **मतदान बहिष्कार पर प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने गए, पर ग्रामीण नहीं माने, उसी दौरान पिलानी के विधायक पितराम काला पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हें जमकर खरीखोटी सुनाई।**
- **ग्रामीणों ने कहा या तो यमुना जल चाहिए या फिर बारिश का पानी एकत्रित करने के लिए कुण्ड की स्वीकृति।**

झुंझुनूं /पिलानी, 19 अप्रेल (निसं)। यमुना पानी की मांग को लेकर क्षेत्र के सात गांवों के 10 बूथों का ग्रामीणों ने बहिष्कार किया, जिसका हमीनपुर, बनगोठड़ी कलां और ढक्करवाला के पांच बूथों पर पूरा असर और गाडोली, केहरपुरा और धींधवा बिचला के एक-एक बूथ पर लगभग पूरा और गाडोली के एक बूथ पर आंशिक असर देखने को मिला।

दिनभर मतदानकर्मी मतदाताओं का इंतजार करते रहे। लेकिन मतदाता नहीं आए। जिन पांच बूथों पर एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला, उनमें मतदानकर्मियों ने ही मतदान करके खाता खोला। जिन पांच बूथों पर ज़ीरो मतदान रहा, उनमें ढक्करवाला का एक बूथ, हमीनपुर के दो बूथ और बनगोठड़ी कलां के दो बूथ शामिल हैं। ढक्करवाला में तीन मतदानकर्मी और एक बीएलओ ने वोट डाला, लेकिन स्थानीय मतदाताओं की संख्या ज़ीरो रही। इसी तरह हमीनपुर के दोनों बूथों पर चार-चार वोट पड़े। ये चारों के चारों वोट मतदानकर्मियों के थे। यहां पर भी स्थानीय मतदाताओं की संख्या ज़ीरो रही। इसी तरह बनगोठड़ी कलां के एक बूथ पर तीन और एक बूथ पर चार वोट पड़े। ये वोट भी मतदानकर्मियों के थे। इन तीन गांवों के पांच बूथों पर एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला।

गाडोली गांव में दो बूथ थे। इनमें से एक बूथ पर छह वोट पड़े, जिमें चार मतदानकर्मी, एक सैक्टर आफिसर का वोट शामिल है। जबकि, एक भी वोटर वोट डालने पहुंचा। गाडोली के दूसरे बूथ में भी गांव के लोगों ने तो वोट नहीं डाले, परंतु पास के पुरोहितों का बास के वोट भी इसी बूथ पर थे। वहां 62 वोटरों ने और तीन मतदानकर्मियों ने वोट डाले। कुल मतदान यहां पर 65 रहा। बिशनपुरा गांव में तीन मतदानकर्मियों और एक वोटर ने, धींधवा बिचला में चार मतदानकर्मियों और दो वोटरों ने, केहरपुरा में दो मतदानकर्मियों और पांच वोटरों ने वोट डाला।

प्रशासनिक अधिकारी हमीनपुर समेत सात गांवों के 10 बूथों पर चल रहे मतदान बहिष्कार पर समझाइश करने हमीनपुर गांव गए। चुनावों के लिए पिलानी व सूरजगढ़ विधानसभा के प्रभारी, सीनियर आर.ए.एस. अम्बालाल मीणा, सूरजगढ़ एस.डी.एम. दयानंद रूयल और पिलानी बी.डी.ओ. सुनिल ढाका सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। जब अधिकारी समझाइश कर रहे थे, उसी वक्त पिलानी विधायक पितराम काला वहां पहुंच गए। जिसके बाद अधिकारी तो चले गए, लेकिन पिलानी विधायक पितराम काला ने समझाइश की कोशिश की। लेकिन, ग्रामीणों ने पिलानी विधायक को खरी खोटी सुनाई और कहा कि, अब तक आप कहां थे। ग्रामीणों ने बताया कि आज पांच-छह बार अधिकारी आ चुके हैं, लेकिन, हमें तो यमुना जल चाहिए, या फिर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए कुंड की स्वीकृति चाहिए। जब तक मांग नहीं मानी जाएगी, वोट नहीं डाले जाएंगे। ग्रामीणों ने बताया कि, गांव के वो लोग, जो बाहर रहते हैं। उन्होंने भी गांव के आंदोलन के समर्थन में अपनी जगहों पर मतदान का बहिष्कार किया है।

जिन सात गांवों के 10 बूथों पर मतदान का बहिष्कार किया गया। उन पर 9070 महिला व पुरुष मतदाता पंजीकृत हैं। इतने बड़े स्तर पर मतदान का बहिष्कार संभवतया ना केवल झुंझुनूं में, बल्कि राजस्थान में पहली बार हो रहा है। एक-दो बूथों पर तो बहिष्कार की खबरें कभी कभार सामने आ जाती हैं, लेकिन इन 10 बूथों पर पोलिंग पार्टी सुबह से शाम तक मतदाताओं का इंतजार करती रही। ग्रामीणों ने बताया कि वे 17 जनवरी से आंदोलन कर रहे है। धरना दिया, प्रदर्शन किया, कलेक्टर से मिले और सीएम से भी मिले। लेकिन कोरे आश्वासन मिले हैं। इसलिए ग्रामीणों ने मतदान के बहिष्कार का फैसला लिया है।

सादुलपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा

शाम पांच बजे तक नहीं लगी मतदाताओं की कतार

नव मतदाताओं को मतदाता प्रमाण पत्र जारी किए।

सादुलपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया था, लेकिन दिनभर मतदान केंद्रों पर सन्नाटा सा पसरा रहा तथा किसी भी मतदान केंद्र पर मतदाताओं की कतार देखने को नहीं मिली। शहर में व्यापारियों और दुकानदारों ने मतदान करने के बाद अपने प्रतिष्ठान खोले।

प्रात: सात बजे ही लोग घरों से निकल कर मतदान के लिए बूथों पर पहुंचने शुरू हो गए थे। विशेष तौर से युवाओं में जोश देखा गया तथा युवा अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में मतदाताओं को ला रहे थे। हालांकि बड़े बुजुर्गों के घर बैठे वोट डालने के कारण इस बार मतदान केंद्रों पर बड़े बुजुर्गों को कम देखा गया। थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझडिया शहरी क्षेत्र में पुलिस दल के साथ मतदान केंद्रों पर निगरानी रखे हुए थे। वहीं निष्पक्ष और बिना किसी प्रलोभन के चुनाव संपन्न करवाने के लिए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। शाम चार बजे बाद कार्यकर्ता सक्रिय हुए तथा मतदाताओं को घरों से निकलकर मतदान करवाया। इसके बाद मत प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई। भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झाझडिया ने घर में पूजा अर्चना कर अपनी मां जीवणी देवी से आशीर्वाद लिया तथा बाद में गांव जयपुरिया खालसा में स्थित बूथ नंबर 255 पर अपनी पत्नी मंजू, अपनी मां जीवणी देवी के साथ स्वयं ने मतदान किया। कांग्रेस प्रत्याशी राहुल कस्वा ने अपनी मां एवं पूर्व विधायक कमला कस्वां के साथ पैतृक गांव कालरी पहुंचे तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थित बूथ नंबर 151,152 में मतदान किया। प्रात: सात बजे मतदान प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही गांव हरपालु नींमा, जसवंतपुरा, चाँदगोठी हमीरवास, लम्बोर, बैरासर जैतपुरा, ढाणी मौजी, रेबारी बास, दँदेऊ मोहन सिंह, बांगडवा, बेवड, कामाण, भोजाण, गागगडवास, सुरतपुरा, न्यांगल बड़ी, न्यांगल छोटी, हांसियावास, भगेला, ढिगारला, धागडा, सिद्धमुख, चैनपुरा छोटा, चैनपुरा बड़ा व किशनपुरा आदि गांव में किये गये दौरे के दौरान दोपहर तक मतदान हल्का रहा।

सादुलपुर के बूथ 84 पर पहली बार मतदान के लिए पहुंची चचेरी बहनें रिया व खुशी कंदोई ने मतदान कर खुशी जाहिर की तथा बताया कि राष्ट्र हित में मतदान किया है। इसके अलावा रवीना मीणा ने भाग संख्या 166 मतदान केंद्र-राउप्रावि लम्बोर छिंपियांन, सिमरन मीणा भाग संख्या 166 मतदान केंद्र-राउप्रावि लम्बोर छिंपियांन ने पहली बार मतदान कर खुशी जाहिर की। वार्ड 36 में आरती कंवर ने पहली बार मतदान किया। वहीं वार्ड नंबर 37 में रामावतार जांगिड, सुमेर सिंह व मनोज शर्मा आदि अनेक युवाओं ने मतदान किया।

सिद्धमुख में मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं दिखी :- लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर शुक्रवार को सिद्धमुख कस्बे के मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। वहीं सुबह 7 बजे से ही बूथों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। सवेरे से ही मतदाताओं में वोटिंग को लेकर उत्साह नजर आया। जहां पुरुषों से महिलाओं की संख्या ज्यादा नजर आई। सवेरे से कतारें लंबी होने के कारण मतदाता अपनी-अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

खास तौर पर नए वोटर में जोरदार उत्साह देखा गया। पहली बार मत डालने वाले मतदाताओं को बीएलओ द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया और धूप बढी तो मतदान में जरूर थोड़ी सी कमी आई। लेकिन मतदान शांतिपूर्ण तरीके संपन्न हुए। पुलिस जाब्ता भी चप्पे चप्पे पर तैनात रहा। सिद्धमुख के 6 बूथों पर कुल वोट 7046 में से 4995 वोटो की पोलिंग हुई जो 70.89 पोलिंग प्रतिशत रहा। वहीं मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं होने के कारण बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को उनके परिजन स्वयं मतदान करने के लिए लाते हुए दिखाई दिये।

करौली-धौलपुर में गर्मी से मतदान की गति धीमी रही

कई मतदान केंद्र तो खाली नजर आए

- **मंडरायल इलाके के जखोदा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया, समझाइश के बाद मतदान सुचारू हुआ**

करौली, (निसं)। करौली-धौलपुर लोकसभा संसदीय सीट के लिए शुक्रवार को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस, भाजपा, बसपा और निर्दलीय प्रत्याशियों ने मतदान किया। वहीं नवविवाहित दूल्हा-दुल्हनों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को शाम पांच बजे तक 53 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान भीषण गर्मी के कारण मतदान की गति दिनभर धीमी रही और कई मतदान केंद्र तो खाली नजर आए जिन पर सन्नाटा पसरा देखा गया। सर्वाधिक मतदान धौलपुर विधानसभा में 48.97 प्रतिशत और सबसे कम सपोटरा में 36.16 प्रतिशत हुआ। लोकसभा क्षेत्र में 1973710 वोट थे जिन्होंने प्रत्याशियों की भाग्य का फैसला कर दिया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर शाम 5 बजे तक 42.53 प्रतिशत मतदान हुआ। सर्वाधिक मतदान धौलपुर विधानसभा में 48.97 प्रतिशत और सबसे कम सपोटरा में 36.16 प्रतिशत हुआ। चुनाव कार्य में लापरवाही बतरने पर सपोटरा बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ को सहायक निर्वाचन अधिकारी एआरओ ने निलंबित कर दिया।

सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में भाग संख्या 84 गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल सिंधुपुरा बीएलओ बाबूलाल मीणा के प्रात: 8 बजे तक भी पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंचने के कारण निलंबित किया गया है। वहीं लोकसभा चुनाव के दौरान नव विवाहित जोड़े भी मतदान करने पहुंचे। करौली के बग्गी खाना बूथ पर नव विवाहिता ने वोट डाला। फेरे लेने के बाद विदाई से पूर्व दुल्हन रवीना पुत्री बने सिंह जाटव ने मतदान केंद्र पर वोट डालकर शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। वहीं करौली के लैदौरकला में मतदान केन्द्र संख्या 206 पर विदाई से पहले मतदान के लिए नवविवाहित बहनें मतदान केंद्र पहुंची। लैदोर कला के सुरेश जाटव की दो बेटियों रचना और अर्चना जाटव की 18 अप्रैल को शादी हुई। अपनी विदाई से पहले दोनों बहनों ने उत्साह के साथ मतदान किया।

मंडरायल इलाके के जखोदा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। एसडीएम और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही भाजपा प्रत्याशी इंदूदेवी ने भी समझाइश की। ग्रामीण भाजपा प्रत्याशी को बुलाने की मांग कर रहे थे। बूथ पर 1400 के करीब मतदाता हैं। समझाइश के बाद मतदान सुचारू हुआ। वही चुनाव मे अपना भाग्य आजमा रहे प्रत्याशी भी मतदान के लिए पहुंची भाजपा प्रत्याशी इंदूदेवी ने परिवार के साथ पैतृक गांव करसाई के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की।

अमित शाह का उदयपुर में रोड शो, दस हजार से अधिक की भीड़ जुटी

गृहमंत्री अमित शाह ने मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो किया

उदयपुर में रोड शो के दौरान गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी मौजूद रहे।

- **अमित शाह ने अपने इस रोड शो से मेवाड़-वागड़ की चारों लोकसभा सीटों को साधा**

उदयपुर, (निसं)। आगामी 26 अप्रेल को उदयपुर लोकसभा सीट पर होने वाले चुनावों को लेकर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उदयपुर में रोड शो किया। यह रोड शो अपने तय समय 6.30 के बजाय डेढ घंटा देरी से शुरू हुआ। अमित शाह 8 बजकर 8 मिनट पर रोड शो स्थल देहलीगेट पहुंचे जहां से 8 बजकर 13 मिनट पर रथ पर सवार हुए और 31 मिनट में 1.3 किमी का अपना रोड शो पूरा कर अस्थल मंदिर पर सभा को संबोधित किया। अमित शाह के इस रोड़ शो में 10 हजार से अधिक की भीड़ जुटी।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार शाम उदयपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो किया। यह रोड शो देहलीगेट से शुरू होकर बापू बाजार होते हुए 1.3 किलोमीटर का सफर तय कर सूरजपोल स्थित अस्थल मंदिर के समीप पहुंचा जहां अमित शाह की सभा हुई। रोड शो 8 बजकर 13 मिनट पर शुरू हुआ। रोड शो में अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजन शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूरे रास्ते माइक खुद हाथ में लेकर कमान संभाले रहे और युवाओं में जोश भरते रहे। तय समय से डेढ घंटा देरी से शुरू होने के बाद भी अमित शाह का लोग इंतजार करते रहे और रोड शो में पूरे रास्ते उन पर फूल बरसाते रहे। वहीं शाह ने रथ से ही भाजपा का चिन्ह दिखाया और लोगों पर फूलों की बरसात करते रहे। रोड शो में शामिल युवा 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते रहे। रथ के पीछे रस्सी लगाकर पुलिसकर्मी चल रहे थे और इसके पीछे भाजपा पदाधिकारी चल रहे थे जो रथ के समीप आने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिसकर्मी उन्हें रोक रहे थे लेकिन बापूबाजार में जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नजर पड़ी तो उन्होंने पुलिसकर्मियों से उन्हें अंदर आने को कहा। इसके पश्चात रथ के आगे व पीछे दोनों तरफ भीड़ रोड शो में पैदल ही अस्थल मंदिर स्थित सभास्थल पहुंची। आधे घंटे के इस रोड़ शो ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नई ऊर्जा फूंक दी। अमित शाह ने अपने इस रोड शो से मेवाड़-वागड़ की चारों लोकसभा सीटों को साध दिया।

रोड शो के दौरान देहलीगेट चौराहे पर मंच बनाकर भगवान श्रीनाथजी की झांकी बनाई गई जहां चांग वादन कार्यक्रम हुआ। बैंक तिराहे पर कार्यकर्ताओं की ओर से अमित शाह पर फूल बरसाने शुरू किए जो पूरे मार्ग में चलता रहा।

बीकानेर के शहरी और ग्रामीण मतदान केन्द्रों पर उत्सव जैसा माहौल रहा

भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने पत्नि पाना देवी के साथ किसमीदेसर स्थित बूथ पर वोट डाला।

- **ग्रामीण मतदाता ऊंट गाड़े पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचे और दूसरों से मतदान करने की अपील की**

बीकानेर, (निसं)। संभाग की बीकानेर लोकसभा सीट पर शाम छह बजे तक लगभग पचास फीसदी वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा वोटिंग बीकानेर पश्चिम सीट पर हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय 6 बजे तक करीब 49.89 प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया। निर्धारित समय के बाद भी मतदान केन्द्रों के अन्दर पहुंचे लोग मतदान कर रहे थे। ऐसे में फाइनल मतदान का प्रतिशत देर रात तक आने की संभावना है। इसमें सबसे अधिक बीकानेर पश्चिम में 63.51 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि सबसे कम मतदान नोखा विधानसभा क्षेत्र में 36.22 प्रतिशत रहा। इसी तरह बीकानेर पूर्व में 53.91 प्रतिशत, डूंगरगढ़ में 42.56 प्रतिशत, खाजुवाला में 53.29 प्रतिशत कोलायत में 46.20 प्रतिशत तथा लूणकरणसर में 45.51 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में शामिल अनूपगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सांय 6 बजे तक 61.56 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। वहीं देर शाम तक समाचार लिखे जाने तक कई मतदान केन्द्रों में मतदान जारी था। भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने पत्नि पाना देवी के साथ किसमीदेसर स्थित बूथ नम्बर 175 पर वोट डाला। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत मतदान के दौरान शुक्रवार को जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाई।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने पंचशती सर्किल स्थित महिला जागृति परिषद में बने मतदान केंद्र में मतदान किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दुलीचंद मीणा ने सैनिक विश्राम गृह मतदान केंद्र पर मताधिकार का उपयोग किया। जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरि शंकर आचार्य ने शीतला गेट के बाहर स्थित केंद्र में मतदान केंद्र में वोट डाला। जिला आईकॉन और राष्ट्रीय स्वीमर पंकज सेवग तथा ट्रांसजेंडर मतदाता मुस्कान बाई ने श्यामौली के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिले के गाढवाला गांव में ग्रामीण मतदाता ऊंट गाड़े पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दूसरों से मतदान करने की अपील की। यहां के शैतान सिंह राईका ने बताया कि लोकतंत्र के महोत्सव में भागीदारी निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। जिले के दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं ने भी उत्साह के साथ इस पर्व में भाग लिया। वृद्धजनों एवं दिव्यांग मतदाताओं को उनके परिजन मतदान स्थल तक लेकर आए। वहीं, मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर भी उपलब्ध करवाई गई। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में अपने मतदान केंद्रों तक पहुंची। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न केंद्रों पर रखे सेल्फी प्वाइंट आकर्षण के विशेष केंद्र रहे।

मतदान के दौरान मतदाताओं ने अपने एपिक कार्ड अथवा 12 अन्य वैकल्पिक पहचान पत्रों में से किसी एक का उपयोग करते हुए मतदान किया। मतदान स्थलों पर विद्युत, पेयजल सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रही। महिलाओं, युवाओं और दिव्यांग कार्मिकों वाले मतदान दलों ने भी मतदाताओं को प्रेरित किया। वहीं, ग्रीन, पिंक, यूनिक और आदर्श मतदान केंद्रों की विशेष सजावट आमजन के लिए खास रही।जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने यूआईटी स्थित इंट्रीगेटेड कंट्रोल रूम से पूरी स्थिति पर नजर रखी। उन्होंने वेब कास्टिंग की मॉनिटरिंग भी लगातार की। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस यक्ष चौधरी और जनसंपर्क अधिकारी भाग्यश्री गोदारा भी मौजूद रहे।

वागड़ की संसदीय सीट अब भाजपा व बाप के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बनी

कांग्रेस ने दावेदार खड़ा कर गठबंधन के नाम पर आत्मसमर्पण किया

- **मालवीय को बांसवाड़ा की पांच विधानसभा सीटों पर सबसे ज्यादा है उम्मीद**
- **डूंगरपुर में भाजपा को परंपरागत वोट व कांग्रेस के निजी सहयोगियों पर भी है आस**

डूंगरपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव को लेकर दूसरे चरण के मतदान की तिथि को कोई एक सप्ताह रह गया है लेकिन अभी तक किसी बड़ी चुनावी सभा नहीं होने के कारण चुनावी रंगत तो फिजा में नहीं जम पायी है लेकिन भाजपा के साथ-साथ क्षेत्रीय दाल बीएपी ग्रामीण क्षेत्रों को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं।

जहां दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का उम्मीदवार भी चुनावी समर से अभी तक हटा नहीं है और न ही उसके पास ऐसे कोई निर्देश हैं। लोकसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही जिस तरह बीएपी के प्रत्याशी व समर्थक भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी जमकर कोसने में लगे हुए थे यही नहीं बीएपी के समर्थक तो ग्रामीण क्षेत्र से लगाकर मुख्य सड़कों पर आतंक के साये में प्रचार अभियान करने में जुटे हुए हैं ओर विशेष कर इस क्षेत्रीय दल से जुड़ा हुआ युवा तो शाम ढलने के साथ ही सड़कों पर इस तरह हुड़दंग मचाता है मानो कानून व्यवस्था उनके अभिकर क्षेत्र की बात हो। हाल ही में भाजपा समर्थक एक सरपंच की गाड़ी पर न केवल झंडा उतर दिया अपितु उसे चेतावनी भी दे डाली कि वह भाजपा के प्रचार से अपने आप को दूर रखे। इस सम्बन्ध में प्राथमिकी भी दर्ज हो गयी है और इस घटना के बाद राज्य सरकार ने भी ऐसी हरकतों पर रोक लगाने एवं निर्भीक व निष्पक्ष मतदान करवाने के लिए चुनाव आयोग ने भी कठोर कदम उठाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

भाजपा के लिए अब कई पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेताओं की रेलमपेल शुरू हो गयी है तथा अपने तथा परंपरागत वोटों के अलावा कांग्रेस के वे मतदाता जो कांग्रेस के अभिकृत उम्मीदवार को लेकर असमंजस में हैं उन्हें रिझाने की जुगत में लगे हैं क्योकि डूंगरपुर जिले का कांग्रेस कर्मी पूरी तरह क्षेत्रीय दल से समझौते के खिलाफ था। गुरुवार को कांग्रेस व बीएपी की एक बैठक कुछ नेताओं के साथ एक होटल में हुई है जिसमें प्रचार को ले कर भी सहमति बनी है। बीएपी तो पहले ही किसी की आवश्यकता से नकार चुकी है क्योंकि वह पूरी तरह अपने सामाजिक मतों व अल्पसंख्यकों के मतों पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

लोकसभा चुनाव में डूंगरपुर जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों में लगभग आठ लाख मतदाता हैं। चौरासी क्षेत्र में बीएपी हाल ही के विधानसभा चुनावों में जिस तरह साथ हजार से अधिक मतों से जीत कर इस क्षेत्र को अपना वोट बैंक बना चुकी है वहीं दूसरी ओर बांसवाड़ा जिले से पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं और करीब तेरह लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं हालही के विधानसभा चुनावों में पांच विधानसभा सीटों में चार पर कांग्रेस विजयी रही थी और एक विधान सभा सीट भाजपा के खाते में गयी थी तथा इस क्षेत्रीय दल का आरंभ से ही पैर नहीं ज़माने दिए थे। लेकिन लोकसभा चुनावों में गठबंधन से भी ज्यादा अर्जुन बामनिया व अन्य विधायक जो की कांग्रेस राज में मालवीय के दबदबे से खासे परेशान थे वे अब मालवीय को किसी भी कीमत पर विजयश्री का सेहरा नहीं बंधवाने के इच्छुक हैं। हालांकि मालवीय और उसके कुछ खास समर्थकों ने डूंगरपुर जिले में भी कांग्रेस में आपसी गुटबाजी पनपने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी और उसीके परिणाम स्वरुप हालही के चुनावों में तीन विधानसभा क्षेत्रों में तो कांग्रेस की जमानत भी जब्त हो गयी थी।

केवल डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने अपने बलबूते पर बड़ी जित हांसिल कर कांग्रेस के कर सेवकों को आइना दिखा दिया था। ऐसे में इस बार वे भी अभी तक तो चुनावी समर से खुले तोर पर अपने आपको अलग ही रखे है और वे गुरुवार को हुई बैठक से भी अपने आप को दूर रख कर अपनी मंशा जाहिर कर चुके हैं। ऐसे डूंगरपुर का कांग्रेस संगठन किस तरह की रणनीति अपनाता है क्योकि अप्ल संख्यक मतदाता तो कांग्रेस की ओर से दिशा निर्देश नहीं होने के कारण बीएपी की ओर अपना रुख करने को आतुर है ऐसे में इक्कीस अप्रेल को बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली चुनावी सभा के बाद ही फिजा में किस तरह भगवा रंग घुलता है।